निर्देशन की आवश्यकता →

वर्तमान में सामाजिक पक्षो मे परिवर्तनो के अतिरिक्त मनोवैज्ञानिक अनुसंधानो का प्रभाव व्यक्ति, समाज तथा शिक्षा पर पड़ा है। इन अनुसन्धानो के परिणाम स्वरूप ही शिक्षा प्रक्रिया एवं समाज में अनेक क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं, जैसे - आधुनिक शिक्षा बाल केन्द्रित शिक्षा बनती जा रही है जिसमे बच्चो की अभिरुचियो योग्यता तथा रुचि का मुख्य ~~उद्देश्य~~ रूप से ध्यान रखा जाता है। परन्तु वास्तव में इस प्रकार की शिक्षा प्रदान करने मे अनेक कठिनाइयो का सामना करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियो मे ही शैक्षिक निर्देशन की आवश्यकता पड़ती है अतः शैक्षिक निर्देशन की आवश्यकता निम्न रूप से स्पष्ट किया जा सकता है।

1→ अपव्यय एवं अवरोधन को कम तथा दूर करने के लिए

2→ पाठ्य वस्तु या विषय वस्तु के चयन हेतु।

3- आगामी शिक्षा को निर्धारित करने के लिए

(4)- शिक्षण संस्थानों के समायोजन के लिए समायोजन हेतु।

(5) सीखने की प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने तथा छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में व्यस्त रखने हेतु

(6) शिक्षा के विभिन्न अवसरों का ज्ञान प्रदान करने हेतु

(7) जीविकाओं का ज्ञान देने हेतु

(8) बाल अपराध को रोकने हेतु

(9) पाठ्यक्रम एवं शिक्षण विधि में परिवर्तन हेतु

(10) शिक्षण संस्थानों की व्यवस्था हेतु

25/08/2020

शैक्षिक निर्देशन के उद्देश्य →

शैक्षिक निर्देशन के "जोन्स" महोदय ने निम्नांकित उद्देश्य बताये हैं।—

1→ सम्भावित तथा इच्छित आगामी शिक्षा से सम्बन्धित सूचनाएँ प्राप्त करने मे छात्रों की सहायता करना।

2→ अपनी रुचि से सम्बन्धित शर्तों की सूचना प्राप्त करने में छात्रों में छात्रों की सहायता करना।

3→ पाठ्यक्रम, विद्यालय और उससे जुड़े हुए सामाजिक जीवन मे स्वयं को समायोजित करने मे छात्रों की सहायता करना।

4→ विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के उद्देश्य तथा कार्यों से छात्रों को अवगत कराने मे सहायता प्रदान करना।

5- छात्रों को स्वंय की रुचियों तथा अभिरुचियों का ज्ञान प्रदान करना।

Page No.:
Date: / /

6 → प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की सूचनाएँ प्राप्त करने में छात्रों का पथ प्रदर्शन करना।

7 - शैक्षिक निर्देशन का उद्देश्य विद्यालय की भेंटो से सम्बन्धित सूचनाएँ प्राप्त करने में छात्रों की सहायता करना है।

8 - व्यवसाय के चुनाव में छात्रों का पथ प्रदर्शन करना।

→ शैक्षिक निर्देशन का उद्देश्य छात्रों को मनोरंजन, सामाजिक एवं शैक्षिक अवसरों को प्रदान करना है।

→ छात्रों में दायित्व की भावना का विकास करना

→ छात्रों की योग्यता के अनुरूप जानकारी प्रदान करना

→ छात्रों की रुचि, क्षमता, योग्यता का पूर्ण विकास करना

→ छात्रों को शारीरिक एवं मानसिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करना

26/08/2020

Page No.:
Date / /

शैक्षिक नेतृत्व

किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए प्रतिभाशाली एवं कुशल नेतृत्व की आवश्यकता होती कुशल नेतृत्व के अभाव में कोई भी शिक्षण संस्थान अपने अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकता है। शिक्षण संस्थान का नेतृत्व जितना प्रभावशाली एवं अभिप्रेरणात्मक होगा शिक्षण संस्थान उतना ही तीव्र गति से प्रगति कर सकेगा।

किसी भी समाज के लिए नेतृत्व अत्यन्त आवश्यक होता है। क्योंकि नेतृत्व एक ऐसा गुण है। जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों यथा सामाजिक राजनीतिक आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक आदि में एक नया परिवर्तन लाता है। यही कारण है कि समाज के आरम्भिक विकास से ही नेतृत्व के अध्ययन में रुचि ली जा रही है। आज समाज के पास नेतृत्व के सम्बन्ध में पर्याप्त अनुभव है।

Page No.:
Date: / /

नेतृत्व का अर्थ →

सामान्यतः नेतृत्व का अर्थ है किसी व्यक्ति विशेष द्वारा अन्य व्यक्तियों द्वारा मार्गदर्शन करने की क्षमता एवं योग्यता से लगाया जाता है।
अर्थात किसी व्यक्ति के नेता पन के गुण ही संक्षिप्त में वह नेतृत्व कहलाते है।
शाब्दिक व्युत्पत्ति से 'नेतृत्व' अंग्रेजी के शब्द 'लीडरशीप (Leadership) का हिन्दी रूपान्तरण है; जिसका अर्थ होता है।—
"वह जो नेतृत्व दे" यह नेतृत्व किसी भी दिशा में हो सकता परन्तु आज सामान्यतः लोग उसे ही नेता स्वीकार करते है। जो किसी ऊंचे पद पर है। लेकिन वर्तमान अनुसन्धानकर्ता अनेक शोध परिणामो के आधार पर इसे स्वीकार नही करते है। क्योंकि इस स्थिति में एक प्रशासक तथा एक नेता क्या अन्तर होगा स्पष्ट नही हो पाता प्रशासक व नेता के अन्तर को 'लिपहम' ने स्पष्ट किया है।—

27/08/2020

Page No.:
Date: / /

नेतृत्व की परिभाषाएँ →

(1) लापीयर एवं फ्रान्स वर्थ →

"नेतृत्व एक ऐसा व्यवहार है जो समूह के व्यवहारों को अधिक प्रभावित करता है जबकि समूह समूह उस नेता के व्यवहारों को उतनी मात्रा मे प्रभावित नही कर सकते।"

२- चेस्टर बर्नाई के अनुसार →

"नेतृत्व वह गुण है जिससे अन्य व्यक्तियों या उनकी क्रियाओं को निर्देशित करता है।"

३- ऑलफोर्ड एवं बीटी के अनुसार →

"नेतृत्व वह गुण है जिसके द्वारा स्वेच्छापूर्वक तथा बिना किसी दबाव के समूह से वांछित कार्य करवाया जाता है।"

Page No.:
Date: / /

(4) कार्टर और काहन के अनुसार →

"नेतृत्व एक प्रभाव है जिसमे जो व्यक्ति नेता की स्थिति मे विराजमान है वह अन्य व्यक्तियो को प्रभावित करता है।"

(5) बेरन एवं बायरने के अनुसार →

"नेतृत्व वह प्रक्रिया है जिसमे नेता समूह के सदस्यो पर अपना प्रभाव डालता है, वह उन्हे निश्चित उद्देश्यो की ओर दिशा-निर्देशन देते है।"

(6) कुन्टज एवं ओ डोनेल →

"नेतृत्व किसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सन्देश के द्वारा व्यक्तियों को प्रभावित कर सकने की योग्यता है।"

उपरोक्त परिभाषाओ के अध्ययन के उपरान्त यह स्पष्ट होता है कि नेतृत्व वह गुण है जिसके द्वारा एक व्यक्ति सम्बन्धित व्यक्तियो को प्रभावित करता है।

24/08/20